साहित्य में कृत्रिम बुद्धिमता की भूमिका

Girdhari Lal Yadav, Research Scholar, Commerce, Jayoti Vidyapeeth women's University, Jaipur

सार

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिक्षण विधियों को बढ़ाकर, सीखने के अनुभवों को निजीकृत करके और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अनुकूलित करके शिक्षा में क्रांति ला रहा है। एआई–संचालित उपकरण, जैसे कि बुद्धिमान ट्यूशन सिस्टम, अनुकूली शिक्षण प्लेटफॉर्म और स्वचालित ग्रेडिंग, शिक्षकों को व्यक्तिगत छात्र की जरूरतों को पूरा करने और समावेशी शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने में सक्षम बनाते हैं। बड़े डेटासेट का विश्लेषण करके, एआई छात्रों के प्रदर्शन में कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, सीखने के अंतराल की पहचान करता है और समय पर हस्तक्षेप को सक्षम करता है। इसके अलावा, एआई–संचालित वर्चुअल असिस्टेंट और चैटबॉट वास्तविक समय में सहायता प्रदान करके और संसाधनों तक पहुंच में सुधार करके शिक्षार्थियों का समर्थन करते हैं। अपनी परिवर्तनकारी क्षमता के बावजूद, शिक्षा में एआई का एकीकरण नैतिक चिंताओं, डेटा गोपनीयता और शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकता सहित चुनौतियों का सामना करता है। यह पेपर शिक्षा में एआई की बहुमुखी भूमिका की पड़ताल करता है, अधिक कुशल और न्यायसंगत शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में इसके लाभों, चुनौतियों और भविष्य के प्रभावों पर प्रकाश डालता है।